(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

वाराणसी के हरिश्चन्द्र एवं मणिकर्णिका घाटों पर शवों को जलाने से होने वाला प्रदूषण

2219. श्री राम नरेश यादव : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने वाराणसी में हरिश्चन्द्र तथा मणिकर्णिका घाटों पर शवों को जलाने से उठने वाली चिरांध के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने और साथ ही गंगा नदी में अधजले शवों और राख इत्यादि को बहाने से होने वाले गंगा जल के प्रदूषण को रोकने के लिए भी कोई कार्य योजना तैयार की है;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार गंगा जल तथा वाराणसी को कब तक प्रदूषण मुक्त कर देने का विचार रखती है और उस पर कितनी राशि खर्च होने की संभावना है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मेनका गांधी) : (क) और (ख) मणिकर्णिका घाट पर कोई शवदाहगृह नहीं है । राज्य सरकार ने हरिश्चन्द्र घाट पर एक शवदाहगृह का निर्माण किया है, जो कार्य कर रहा है । शवदाहगृह के प्रयोग से, पारंपरिक तरीके से शवों को जलाने से उत्पन्न होने वाले वायु प्रदूषण में कमी आएगी । गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत पुलिस द्वारा घाटों पर नालों में गश्त लगाने के लिए एक स्कीम स्वीकृत की गई है जिसके द्वारा शवों और पशुओं की ठठरियों को नदी में प्रवाहित करने से रोका जा सकेगा ।

(ग) गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत, वाराणसी के लिए 41.35 करोड़ रुपये की कुल लागत पर 35 स्कीमें संस्वीकृत की गई हैं । इसमें, 3 सीवेज उपचार संयंत्र, 12 अवरोधन और दिशा-परिवर्तन स्कीमें, 4 नदी तटाग्र सुविधाएं, 3 अल्प-लागत स्वच्छता कार्य और 13 अन्य स्कीमें जिसमें प्रदूषण निवारण के लिए कछुओं को जल में छोड़ने का कार्य, सीवर लाईनों की सफाई इत्यादि शामिल है । संस्वीकृत स्कीमों में 25 पहले ही पूरी की जा चुकी हैं तथा शेष के आठवीं पंचवर्षीय योजना के तीसरे वर्ष तक पूरा हो जाने की आशा है । तब तक बड़ी संख्या में पशुओं और मनुष्यों द्वारा नदी में स्नान किया जाता रहेगा जब तक वाराणसी में गंगा जल पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त नहीं किया जा सकता है । संस्वीकृत स्कीमों के पूरा होने से वाराणसी में गंगा नदी के जल की गुणवत्ता में काफी मात्रा में सुधार होगा ।

20-सूत्री कार्यक्रम की प्रगति

2220. श्री राम नरेश यादव : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1989-90 में जनवरी, 1990 तक 20 सूत्री कार्यक्रम के कार्यान्वयन के संबंध में राज्यों के कार्य-निष्पादन का ब्यौरा क्या है और इस संबंध में उनका राज्यवार स्थान क्या रहा है ?

योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागेश गोवर्धन) : दो विवरण-पत्र संलग्न हैं ।

अप्रैल, 1989-जनवरी, 1990 की अवधि के लिए 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत मासिक प्रवोधन के लिए चयनित की गई 28 मदों के संबंध में राज्यवार निष्पादन अनुपत्र में दिया गया है। [देखिए परिशिष्ट 154, अनुपत्र संख्या-104] चयनित मदों के निष्पादन के आधार पर उसी अवधि के लिए राज्यों के रैंक विवरण में दर्शाए गए हैं । (नीचे देखिए) ।